भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3448

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

खजुराहो मंदिर समूह में पर्यटन को बढ़ावा

†3448. श्री विष्णु दत्त शर्मा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि खजुराहो मंदिर समूह का विश्व भर में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संबंधी अत्यधिक महत्व है और इन मंदिरों के समूह को यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के रूप में भी नामित किया गया है जो प्रसिद्ध पन्ना बाघ संरक्षित क्षेत्र के निकट है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार के पास पर्यटन की उच्च संभावना और इस अल्प विकसित क्षेत्र में विकासात्मक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजनाएं हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): जी हां, खजुराहो मंदिर समूह का अत्यधिक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संबंधी महत्व है और इसे यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।

पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन और तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों की सहायता की अपनी जारी योजनाओं के माध्यम से मध्य प्रदेश सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को सम्पूरित करता है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें विरासत परिपथ के तहत एक परियोजना "ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास" और वन्यजीव परिपथ के तहत एक परियोजना "पन्ना - मुकुंदपुर - संजय - दुबरी - बांधवगढ़ - कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास" शामिल है। जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

परिपथ का नाम	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**वास्तविक स्थिति**
वन्यजीव परिपथ	पन्ना - मुकुंदपुर - संजय - दुबरी - बांधवगढ़ - कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10	पूर्ण
विरासत परिपथ*	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	89.82	पूर्ण

उपरोक्त विरासत परिपथ* के तहत खजुराहो में 34.99 करोड़ रुपये की लागत से एक कन्वेंशन सेंटर स्वीकृत किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयास के हिस्से के रूप में संवर्धनात्मक गतिविधियों, कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया पर प्रचार आदि के माध्यम से मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

*****